DAINIK BHASKAR, Surat, 18.2.2022
Page No. 1, Size:(15.80)cms X (15.87)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना: मिशन 2026

गति को मिली शक्ति

सूरत-बिलिमोरा के बीच 50 किमी रूट की 20 किमी दूरी पर 500 से ज्यादा पिलर तैयार, यहीं होना है पहला ट्रायल

जनवरी तक हर माह 6-9 किमी रूट बन रहा था, अब इसे बढ़ाकर 12 किमी किया जाएगा

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

अहमदाबाद से मुंबई के बीच 508 किमी बुलेट ट्रेन परियोजना को जल्द ही और गति और शक्ति मिलने वाली है। गुरुवार को केंद्रीय रेल राज्य मंत्री दर्शना जरदोष और नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर सतीश अग्निहोत्री ने सूरत-बिलिमोरा-वापी सेक्शन का निरीक्षण कर यहां चल रहे कार्यों का जायजा लिया। सांसद ने सुबह 10.30 बजे से शाम 4 बजे तक सूरत-नवसारी में बने कास्टिंग यार्ड और एलिवेटेड कॉरिडोर में चल रहे कार्यों को देखा। फिर काम में और तेजी लाने का निर्देश दिया। दिसंबर 2021 में जहां 4 किमी रूट बन रहा था। इसे जनवरी-फरवरी में बढ़ाकर 6-9 किमी किया गया। अब जल्द ही इसे 12 किमी किया जाएगा।

दरअसल, बुलेट ट्रेन का सबसे पहला ट्रायल रन साल 2026 में सूरत से बिलिमोरा के बीच ही होना है। इस महत्वाकांक्षी परियोजनों को समय पर पूरा करने की चुनौती है। यही कारण है कि वडोदरा-सूरत-वापी के 237 किमी रूट पर और तेजी लाने को कहा गया है। यह पूरे बुलेट रूट का 45 प्रतिशत है। अभी सबसे तेज काम सूरत से बिलिमोरा के बीच किया जा रहा है।

रेल राज्य मंत्री दर्शना जरदोष बोलीं- डेढ़ साल में सिविल वर्क पूरा करने का लक्ष्य

बुलेट परियोजना का निरीक्षण करतीं दर्शना जरदोष, उन्होंने कर्मचारियों का मुंह भी मीठा कराया।

बुलेट परियोजना में यूपी-बिहार के श्रमिकों की बड़ी भूमिका: जरदोष

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री दर्शना जरदोष ने बताया कि बुलेट रेल कॉरिडोर का निर्माण काफी तेजी से किया जा रहा है। इसमें यूपी और बिहार के श्रमिकों की बड़ी भूमिका है। ऐसा अनुमान है कि सिविल वर्क डेढ़ साल में पूरा कर लिया जाएगा। हम 2026 का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। लोगों को बुलेट ट्रेन के रूप में नया भारत देखने को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि रोजगार के नजरिए से देखें तो इस परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कुल एक लाख लोग जुड़े हुए हैं जिन्हें इस परियोजना से रोजगार प्राप्त हो रहा है।

नवसारी में तो एक सेगमेंट भी लांच किया जा चुका है

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन (एनएचएसआरसीएल) के मैनेजिंग डायरेक्टर सतीश अग्निहोत्री ने दैनिक भास्कर को बताया कि सूरत-बिलिमोरा के बीच 50 किमी रूट पर पिलर खड़ा कर दिया गया है। नवसारी में एक सेगमेंट भी लांच हो गया है। इसके अलावा कई सेगमेंट की कास्टिंग भी शुरू है। 20 किमी मार्ग में अब तक 502 पिलर बना दिए गए हैं। इस पर अगली प्रक्रिया सेगमेंट के लॉन्चिंग की होगी। इसके लिए नसवारी, सूरत में कास्टिंग यार्ड बनाए गए हैं, जहां सेगमेंट बनाए जा रहे हैं। 508 किमी बुलेट मार्ग में कुल आठ हजार पिलर बनाए जाने हैं।

भास्कर ने एक दिन पहले ही प्रोजेक्ट की गति से अवगत करा दिया था

वर्क ऑन बुलेट स्पीड: 36 पिलर खड़े हो चुके
हाई स्पीड ट्रेन के पहले स्टेशन की नींव तैयार

17 फरवरी को प्रकाशित खबर

अभी ये है काम की स्थिति

110 किमी में पाइल, पाइल कैप, ओपन फाउंडेशन, वेल फाउंडेशन, पियर कैप का काम चल रहा।

352 किमी में 81 किमी दायरे में पाइलिंग वर्क पूरा, 30 किमी में फाउंडेशन वर्क पूरा।

20 किमी में 502 पिलर बनकर तैयार।

8 से ज्यादा सेगमेंट की ढलाई शुरू हो चुकी

नसवारी के नसीलपुर और कछौल में बने दो कास्टिंग यार्ड में कुल 8 से ज्यादा सेगमेंट की ढलाई शुरू हो चुकी है। इसे पिलर पर लांच किया जाना है। उल्लेखनीय है कि सूरत में भी अब तक 36 पिलर बन चुके हैं। इसमें नवसारी में एक सेगमेंट भी लांच हो चुका है।

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 18.2.2022
Page No. 3, Size:(20.86)cms X (18.18)cms.

देश के पहले बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में 8000 पिलर बनेंगे, 500 तैयार

सूरत में भू-तकनीकी जांच के लिए एशिया की सबसे बड़ी लेब : दर्शना

प्रतिमाह नौ किमी कार्य पूर्ण कर 12 किमी ले जाने का लक्ष्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने गुरुवार को मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना के चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन के लिए 8000 पिलर तैयार किए जाने हैं। जिसमें 500 पिलर्स का कार्य पूरा हो गया है। राष्ट्रीय हाई स्पीड रेलवे कॉरिडोर (एनएचएसआरएल) के एमडी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी साथ थे। उन्होंने सूरत और वापी के बीच चार स्थानों पर कामकाज देखा। उन्होंने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजना में 10 लाख लोग कार्यरत हैं। यह एक भारत सर्वश्रेष्ठ भारत का जीता जागता उदाहरण है।

गुजरात में अहमदाबाद-मुम्बई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में 352 किमी भारतीय ठेकेदारों को 100 प्रतिशत सिविल टेंडर दिए जा चुके हैं। पूरे 325 किमी क्षेत्र में 98.6 फीसदी भूमि अधिग्रहण पूरा होने से कार्य तेजी से चल रहा है। सूरत में बुलेट ट्रेन स्टेशन का भी निर्माण कार्य तेज हो गया है। गुजरात के 8 जिलों के साथ-साथ स्टेशनों के लिए भी पिलर्स, फाउंडेशन, कास्टिंग और गर्डर का निर्माण शुरू हो गया है। 352 किमी में से 325 किमी में भू-तकनीकी जांच का काम पूरा कर लिया गया है। भू-तकनीकी जांच के लिए सूरत में एशिया की सबसे बड़ी भू-तकनीकी प्रयोगशाला विकसित की गई है। अहमदाबाद-मुम्बई के बीच 8000 पिलर तैयार किए जाने हैं। जिसमें 500 पिलर तैयार कर लिए गए हैं। प्रतिमाह नौ किमी का काम पूरा हो रहा है, जिसे तेज कर 12 किमी तक करने का प्रयास चल रहा है। रेल राज्य मंत्री ने 1100 टन की क्षमता वाले भारी उपकरण जैसे स्ट्रेडल केरियर और ब्रिज गेन्ट्री को देखा।

आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार

जरदोश ने नवसारी जिले में पडघा, नसलीपोर, कछोल और वलसाड जिले में पथरी में बुलेट ट्रेन परियोजना स्थल का दौरा किया। उन्होंने इन परियोजनाओं में शामिल देश के विभिन्न राज्यों से आए इंजीनियरों और श्रमिकों से भी बातचीत की। दर्शना ने कहा कि पीएम के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए गति इस परियोजना में मिनी इंडिया एक साथ कार्यरत है और एक भारत, सर्वश्रेष्ठ भारत का उदाहरण यहां देखा जा सकता है।

DIVYA BHASKAR, Surat, 18.2.2022
Page No. 5, Size:(12.49)cms X (9.93)cms.

બુલેટ ટ્રેન : સુરતથી વાપી વચ્ચે 4 સ્થળે મંત્રીનું નિરિક્ષણ, આ પ્રોજેક્ટ થકી 1 લાખ લોકોને રોજગારી મળી હોવાનો દાવો, 98.6 ટકા જમીન સંપાદન કાર્ય પૂર્ણ

કેન્દ્રીય રેલવે અને ટેક્સટાઈલ રાજ્ય મંત્રી દર્શના જરદોશે ગુરૂવારે મુંબઈ - અમદાવાદ હાઈ સ્પીડ રેલ પરિયોજનાના ચાલી રહેલા નિર્માણ કાર્યની સમીક્ષા કરી સુરત અને વાપી વચ્ચે 4 સ્થળે નિરીક્ષણ કર્યું હતું. તેમણે 1100 ટન ક્ષમતાના સ્ટ્રેડલ કેરિયર અને બ્રિજ ગેન્ટ્રી જેવા ભારે ઉપકરણો નિહાળ્યા હતા. મંત્રી જરદોશે કહ્યું કે, બુલેટ ટ્રેન પરિયોજના એટલે વિકાસ અને વિકાસ એટલે રોજગારની તકો. આ પરિયોજનામાં એક લાખ લોકો જોડાયાં છે. જરદોશે દમણગંગા નદી સ્થળની મુલાકાત લીધી હતી જ્યાં નદીના પુલનો પાયો તૈયાર થઈ રહ્યો છે. 98.6% જમીન સંપાદન કાર્ય પણ પૂર્ણ થઈ ચૂક્યું છે. 352 કિમીમાંથી 325 કિમીમાં જિઓટેકનિકલ તપાસ કાર્ય પણ સંપન્ન થઈ ગયું છે.

SANDESH, Surat, 18.2.2022
Page No. 3, Size:(5.94)cms X (6.60)cms.

રેલ રાજ્યમંત્રી દર્શના જરદોશે કામગીરીનું નિરીક્ષણ કર્યું

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ દોડવા માંડ્યો, 20 કિ.મી.માં 502 પિઅર ઊભા કરાયા

। સુરત ।

સુરતથી બીલીમોરા વચ્ચે બુલેટ ટ્રેનના પ્રથમ ફેઝના ૫૦ કિલોમીટર પૈકી ૨૦ કિલોમીટરમાં પિઅર ઊભા કરી દેવાયા છે. રેલ રાજ્યમંત્રી દર્શના જરદોશે ગુરુવારે સુરતથી બીલીમોરા વચ્ચે બુલેટ ટ્રેનની કામગીરીનું નિરીક્ષણ કરી અધિકારીઓ સાથે સમીક્ષા કરી હતી.

ગુરુવારે રેલ રાજ્યમંત્રીએ NHSRCLના એમડી સાથે સુરતથી વાપી સુધીની કામગીરીનું નિરીક્ષણ કર્યું હતું. તેમણે પડઘા, નસલીપોર, કછોલ અને વલસાડના પથરી ખાતે આવેલા કાસ્ટિંગ યાર્ડની મુલાકાત લીધી હતી.

NHSRCLના એમડીએ જણાવ્યું હતું કે, પિઅરની કામગીરી કામગીરી શરૂ થઈ ત્યારે શરૂઆતના તબક્કે કેટલીક મુશ્કેલીઓનો સામનો કરવો પડી રહ્યો હતો. જોકે, જેમ જેમ અનુભવ થતો ગયો તેમ તેમ કામગીરીની ઝડપ વધી રહી છે. જાન્યુઆરી મહિનામાં ૬.૨ કિલોમીટર અને હવે ફેબ્રુઆરીમાં સંભવતઃ ૯ કિલોમીટર સુધીમાં પિઅર ઊભા કરવાની કામગીરી પૂર્ણ કરી દેવાશે. જે આગામી દિવસમાં ૧૨ કિલોમીટર સુધી લઈ જવાની તૈયારી છે.

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટથી ૧ લાખને રોજગારી: દર્શના જરદોશ

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની કામગીરી દક્ષિણ ગુજરાતમાં સૌથી ઝડપી ચાલી રહી છે. પ્રથમ ફેસમાં નવસારીથી બીલીમોરા તરફ ૨૦ કિલોમીટરમાં ૫૦૨ પિયર ઊભી કરી દેવાયાં છે. જોકે, આ પ્રોજેક્ટની ખાસ વાત એ છે કે, બુલેટ ટ્રેન પરિયોજનાથી ૧ લાખ લોકોને રોજગારી મળી છે. તેમજ પ્રથમ ફેસની કામગીરી નક્કી કરેલા સમયમાં પુરી કરી દેવા અથાગ પ્રયાસો કરાઇ રહ્યા છે.